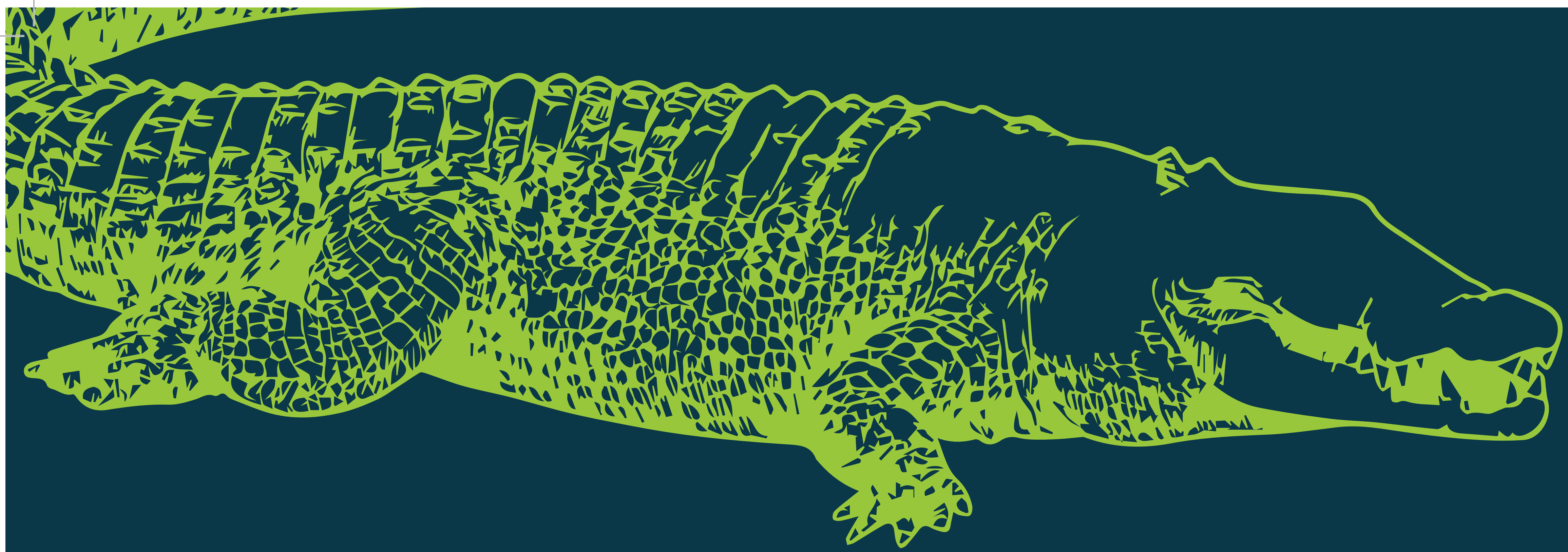

मगरमच्छ दिखाई देने पर क्या करें और क्या न करें

ये करें ✓

- मगरमच्छों वाले इलाकों से गुज़रते समय ज़्यादा सावधानी बरतें और पानी के बहुत पास न जाएं। पानी के किनारों से दूर रहें
- मगरमच्छ दिखने पर अपने समूह के सदस्यों को इसकी चेतावनी दें। शांत रहें और जानवर से बहुत दूर रहें
- मगरमच्छ वाले इलाकों में घुसते समय या वहां पैदल चलते समय, नदी/झील में नाव छोड़ते या वापस लेते समय ख़ास तौर पर सावधानी बरतें। पानी में जाने की आवश्यकता हो, तो नाव में जाएं और अपने बाहों और टांगों को सुरक्षित रखें
- नदी के किनारों के पास जाना हो तो केवल दिन के समय ही जाएं
- अपने पशुधन को मगरमच्छों से बचाने के लिए उन्हें नदी/झील के किनारों या तलों से दूर चराएं
- अगर कोई मगरमच्छ आपकी तरफ़ दौड़कर आ रहा है, तो तेज़ चिल्लाएं ताकि आसपास के लोग आपको सुन लें। भागें या पेड़ पर चढ़ जाएं
- कोई अनजान नदी/झील में जाने से पहले स्थानीय लोगों को वहां मगरमच्छ की उपस्थिति के बारे में पूछ लें
- मगरमच्छ वाले इलाकों में मगरमच्छ संबंधी चेतावनी संकेतों और सलाहकारी सूचनाओं का पालन करें और निर्देशित रास्ते पर ही चलें
- इंसानी पर्यावास में अगर कोई मगरमच्छ दिखाई दे तो उस पर नज़र रखें। उसके साथ कोई छेड़छाड़ न करें। वन अधिकारियों को बुलाएं
- मगरमच्छ द्वारा आक्रमण करने पर पीड़ित व्यक्ति को तुरंत पास के अस्पताल ले जाएं

ये न करें ✕

- मगरमच्छों को कुछ भी न खिलाएं, उन्हें उकसाएं न और उन्हें परेशान ना करें। उनके बहुत पास न जाएं क्योंकि वे अपने बचाव में आक्रमण करते हैं
- जिन नदियों/झीलों में मगरमच्छ हैं उनमें पानी के खेल न खेलें और उनमें तैरे नहीं
- जिन इलाकों में मगरमच्छ हैं वहां हाथों को ज़मीन पर रखकर चार पैरों पर न चलें क्योंकि मगरमच्छ आपको गलती से कोई जानवर समझ सकता है
- झीलों और नदियों में नहाने, कपड़े धोने या धार्मिक क्रियाएं करने से बचें। ऐसे इलाकों में मछली पकड़ने या घोंघे, केकड़ें, तरह-तरह के सीप या झींगे के बच्चे पकड़ने जैसी गतिविधियां न करें
- नदी के आसपास शौच न करें। इसके बजाय शौचालय का प्रयोग करें
- कपड़े धोने के लिए रोज़ नदी/झील के किनारे एक ही जगह से अपनी बाल्टी न भरें
- मछली और मांस के कचरे को इंसानी पर्यावास के पास स्थित नदियों/झीलों में न डालें। इससे मगरमच्छ आकर्षित होते हैं
- मगरमच्छ संरक्षण क्षेत्रों में अधिकारियों की अनुमति या गाइड के बिना न जाएं
- नदियों/झीलों के पास स्थित मिट्‌टी के टीलों के पास न जाएं। मगरमच्छ ऐसे टीलों में अंडे देते हैं और वे अपने अंडों की रक्षा भी करते हैं। ऐसे में, वे बचाव के लिए आक्रमण कर सकते हैं
- बदला लेने की भावना से किसी मगरमच्छ पर आक्रमण करने की कोशिश न करें। जितनी जल्दी हो सके वन विभाग के अधिकारियों को सूचित करें

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत-जर्मनी सहयोग

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत-जर्मनी सहयोग
2017 – 2023
भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन